काकरन बायलर (Cochran Boiler) :- काकरन बायलर एक बड़े बेलनाकार खोल के समान एक गुम्बदनुमा आकृति का होता है इस गुम्बद नुमा आकृति के सबसे ऊपर ऊष्मा को चिमनी द्वारा वायुमण्डल में निकलने की व्यवस्था होती है इसका शीर्ष अर्द्ध गोलीय आकार का होता है खोल के निचले भाग पर भट्ठी होती है। इसमें राख गर्त तथा जाली बनी है दग्ध गैसों की ऊष्मा अग्नि - नालियों को अन्तरित की जाती है जिससे खोल में भरा पानी गर्म होता है और भाप बनती है रोक - वाल्व के द्वारा खोल के अर्द्ध - शीर्ष भाग में भाप एकत्र हो जाती है चिमनी में एक डेम्पर लगा होता है जो प्रवात उत्पन्न करके भट्ठी में वायु के चूषण के नियंत्रण के साथ - 2 फ्लू गैस के निकास का भी नियंत्रण करता है।